गुरुग्राम और नूंह में स्थापति होगा वशि्व का सबसे बड़ा सफारी पार्क

चर्चा में क्यों?

29 सतिंबर, 2022 को हरयिाणा के मुख्यमंत्री मनोहर लाल खट्टर ने बताया कि राज्य के गुरुग्राम और नूंह ज़लिों की अरावली पर्वत शृंखला में पड़ने वाले लगभग 10 हज़ार एकड़ क्षेत्र में वशि्व का सबसे बड़ा सफारी पार्क स्थापति कयिा जाएगा।

प्रमुख बदिु

- यह परयिोजना दुनयिा में इस तरह की सबसे बड़ी परयिोजना होगी। वर्तमान में अफ्रीका के बाहर सबसे बड़ा क्यूरेटेड सफारी पार्क शारजाह में है, जो फरवरी 2022 में खोला गया था, जसिका क्षेत्रफल करीब दो हज़ार एकड़ है।
- प्रस्तावति अरावली पार्क आकार का 5 गुना होगा और इसमें एक बड़ा हर्पेटेरयिम, एवयिरी/बर्ड पार्क, बगि कैट्स के चार ज़ोन, शाकाहारी जानवरों के लयिे एक बड़ा क्षेत्र, वदिशी पशु-पक्षयिों के लयिे एक क्षेत्र, एक अंडरवाटर वर्ल्ड, नेचर ट्रेल्स/वजिटिर/टूरज़्मि ज़ोन, बॉटेनकिल गार्डन/बायोमेस, इक्वाटोरयिल/ट्रॉपकिल/कोस्टल/डेजर्ट इत्यादहिोंगे।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि हरयिाणा-एनसीआर क्षेत्र में जंगल सफारी की अपार संभावनाएँ हैं। जंगल सफारी योजना के साकार होने के बाद एनसीआर में पर्यटन को काफी बढ़ावा मलिेगा और स्थानीय लोगों के लयिे रोज़गार के अवसर पैदा होंगे।
- हरयिाणा की जंगल सफारी परयिोजना पर्यावरण, वन और जलवायु परविर्तन मंत्रालय, भारत सरकार और हरयिाणा सरकार की एक संयुक्त परयिोजना होगी। एक योजना के तहत केंद्र सरकार भी हरयिाणा को इस परयिोजना के लयिे फंड मुहैया कराएगी।
- परयिोजना के लयिे एक अंतर्राष्ट्रीय ईओआई मंगाई गई थी और ऐसी सुवधिाओं की डज़िाइन व संचालन में अंतर्राष्ट्रीय अनुभव वाली दो कंपनयिों को शॉर्टलसि्ट कयिा गया है। वे अब पार्क की डज़िाइन, नरि्माण की नगिरानी और संचालन के लयिे एक अंतर्राष्ट्रीय डज़िाइन प्रतयिोगति में भाग लेंगी। वहीं एक अरावली फाउंडेशन की स्थापना की जाएगी, जो परयिोजना का प्रबंधन करेगा।
- सीएम ने कहा कि केंद्रीय चड़ियिाघर प्राधकिरण ने इसके लयिे क्षेत्र का मूल्यांकन अध्ययन कयिा और इस तरह के पार्क की स्थापना की तकनीकी व्यवहार्यता से सहमत हो गया है।
- मुख्यमंत्री ने बताया कि जंगल सफारी वकिसति होने से एक ओर जहाँ इस पर्वत शृंखला को संरक्षति करने में मदद मलिेगी, वहीं दूसरी ओर दल्लिी और आस-पास के क्षेत्रों से यहाँ काफी संख्या में लोग पर्यटन के लयिे आएंगे, जसिसे स्थानीय लोगों के लयिे रोज़गार के अवसर उपलब्ध होंगे। आसपास के गाँवों में ग्रामीणों को होम स्टे पॉलसिी के तहत लाभ होगा।
- गौरतलब है कि अरावली पर्वत शृंखला एक सांस्कृतकि धरोहर है, जहाँ पर पक्षयिों, वन्य प्राणयिों, ततिलयिों आदकिी कई प्रजातयिाँ पाई जाती हैं। कुछ वर्षों पहले करवाए गए सर्वे के अनुसार अरावली पर्वत शृंखला में पक्षयिों की 180 प्रजातयिाँ, मैमल्स, अर्थात् स्तनधारी वन्य जीवों की 15 प्रजातयिाँ, रेप्टाइल्स अर्थात् ज़मीन पर रेंगने वाले और पानी में रहने वाले प्राणयिों की 29 प्रजातयिाँ तथा ततिलयिों की 57 प्रजातयिाँ वद्यिमान हैं।

PDF Refernece URL: https://www.drishtiias.com/hindi/printpdf/world-s-largest-safari-park